Doubt - - - -

Monadknock — नदी अपरदन (व निक्षेपण) द्वारा बनाये गये मैदानी भागों में ऊपर उठे हुये / बचे हुए भाग

⇓

नदी के वृद्धावस्था में निर्माण

Inselberg (इनसेलबर्ग)

↳ पवनों द्वारा बनाये गये मैदान में शेष बचे हुए (उठे हुये) भाग

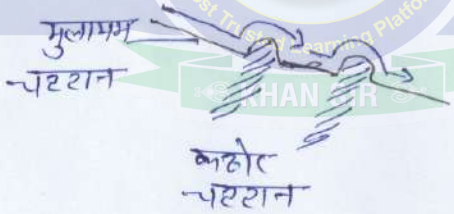

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

क्षिप्रिका - नदी के युवावस्था में निर्माण

⇒ भूपर्पटी के नीचे पिघली हुई चट्टानों के कुंड को बैथोलिथ कहते हैं।

⇒ दो भ्रंशों के मध्य उठे हुए स्थलखंड को होर्स्ट कहते हैं।

⇒ कैलिफोर्नियां की डेथ वैली और मृत सागर भ्रंश घाटी का उदाहरण हैं।

⇒ भूपृष्ठीय खंडों का टूटकर ताल के सहारे स्थानांतरित होना भ्रंशन कहलाता है। (+ Class test by Sir)

स्थलमंडलीय गतिशीलता
(Lithospheric Dynamism)

अल्फ्रेड वेगनर
↓
book
↓
Origins of Continent of Ocean
(1912)

पूर्व के विचार ← → बाद का विचार
⇓ सभी स्थायी हैं
⇓ अस्थायी एवं गतिशील हैं।
⇓
वेगनर ⇒ महाद्वीपीय विस्थापन एवं उनकी स्थिति की पहचान के लिए पहला वैज्ञानिक विचार

⇒ महाद्वीपीय विस्थापन (सिद्धान्त) विचार
Continental Drift Hypothesis

- आधार - वैज्ञानिक अध्ययन
- विचार - 1- महाद्वीप, महासागरीय पर्पटी पर तैर रहे हैं एवं उनके भारते हुए चल रहे हैं।
  2- कार्बोनीफेरस में (लगभग- 330 mn वर्ष पूर्व) सभी महाद्वीप एक विराट महाद्वीप से जुड़े हुए थे। जिसे पेंजिया नाम दिया।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

- पैंजिया चारों ओर से विशाल महासागर से घिरा हुआ था जिसे पैंथालासा नाम दिया।

- 200 mn पूर्व से पैंजिया का विखण्डन प्रारम्भ हुआ।

↳ जुरासिक काल में → 2 खण्डों में विभाजन हुआ ↴

⇓

दोनों खण्ड पुनः खण्डित हुए एवं वर्तमान महाद्वीपों का निर्माण हुआ जो अपने मूल स्थान से विस्थापित होकर अपने वर्तमान स्थान पर पहुँचे हैं।

वेगनर द्वारा दिये गये साक्ष्य :-

- महाद्वीपों का "फिट"
- हिमनदों का स्थान
- जीवाश्म साक्ष्य
- चट्टान का प्रकार और संरचनात्मक समानताएं
- पुराजलवायु साक्ष्य

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

• महाद्वीपों का "फिट" :-

अटलांटिक महासागर के चारों ओर के महाद्वीपों की तट रेखा आपस में फिट हो सकी है।

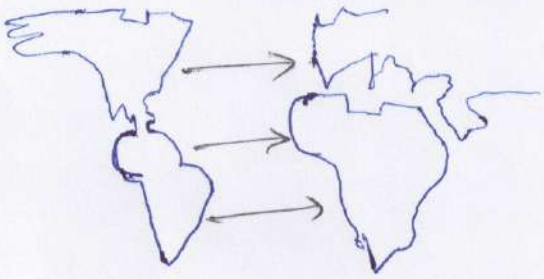

• चट्टान के प्रकार एवं संरचना :-

मिलान तटों पर पायी जाने वाली चट्टानों की संरचना एवं प्रकार में समानता है।

- हिमनदों का स्थान :-

गोंडवाना भाग से बने महाद्वीपों की उष्ण पेटी में हिमनदों का पाया जाना। - हिमोढ़ का पाया जाना।

- जीवाश्म साक्ष्य :- जीवों और पादपों के जीवाश्म पंखों गोंडवाना के सदस्यों में पाया जाना स्थल संयोग नहीं हो सकता, समान पादप एवं जीव इतनी दूरी पर समानान्तर उत्पत्ति नहीं करते हैं। जैसे- जीव- मीसोसौरस, पादप- ग्लोसोप्टेरिस

- पुराजलवायु के साक्ष्य :- पुरातन काल के जलवायु के चिन्हों द्वारा (वर्तमान सन्दर्भ में) बताई जा सकती है। उदाहरण- प्रवाल भित्ती एवं कोयले के स्तर उष्ण

पुरातन जलवायु दर्शाते हैं। और हिमोढ शीत जलवायु को प्रदर्शित करते हैं।

⇒ महाद्वीपों के विस्थापन के कारण :- 2 बल

1- ज्वारीय दबाव → पूर्व से पश्चिम की गति

2. ध्रुवीय घूर्णन जनित बल - उत्तर व दक्षिण की गति

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR